Press Note

ICAR–IARI Receives Award for Excellence in Official Language Implementation

The 12th half-yearly meeting of the *Nagar Rajbhasha Karyanvayan Samiti* (NRAKAS), North Delhi, was successfully organized under the aegis of the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, Government of India, on 25th September 2025 at 10:30 AM at the National Agricultural Science Centre (NASC) Complex, New Delhi.

Representatives from various central offices, research institutes, and universities actively participated in the meeting. On this occasion, detailed discussions were held on the promotion of Hindi, effective implementation of the Official Language Policy, and review of progress achieved in official language work.

It is noteworthy that during this meeting, the ICAR–Indian Agricultural Research Institute (IARI), New Delhi, was recognized for its outstanding performance in the implementation of Hindi and was conferred the *Third Prize*. The Committee appreciated IARI's initiatives and persistent efforts in promoting the use of Hindi in scientific, administrative, and extension-related activities. This honour reflects the commitment of the institute's employees and acknowledges the growing use of Hindi across diverse functions of the institute.

On receiving this recognition, Dr. Ch. Srinivasa Rao, Director of ICAR–IARI, remarked: *"The efforts of our employees in using Hindi not only strengthen our cultural legacy but also enhance efficiency, transparency, and outreach. This achievement of the IARI family is a source of inspiration for the entire nation. We must continue to ensure that Hindi is used naturally and effectively at every level of science, research, and administration."*

The employees and officers of the Institute expressed their happiness at this achievement and pledged to further accelerate the use of Hindi. They also resolved to expand the scope of scientific communication in Hindi so that research outcomes and innovations can be more effectively communicated to farmers and the general public. This award has infused a renewed sense of motivation and pride across the IARI community, reinforcing its role as a national leader not only in agricultural science but also in promoting the official language of India. The recognition also serves as a reminder that scientific progress becomes more impactful when communicated in the language of the people, thereby ensuring inclusivity, accessibility, and wider acceptance of research and innovations across the country.

राजभाषा कार्यान्वयन समिति
(नराकास), उत्तरी दिल्ली
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय,
भारत सरकार
नराकास, उत्तरी दिल्ली की 12वीं छमाही बैठक
दिनांक: 25 सितम्बर, 2025 10:30 पूर्वाह्न
स्थान: ए.पी. शिंदे सभागार, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केंद्र परिसर
देव प्रकाश शास्त्री मार्ग, नई दिल्ली 110012
अध्यक्षीय कार्यालय
पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण
(संसद के अधिनियम द्वारा निर्मित सांविधिक प्राधिकरण)
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान को मिला उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु सम्मान

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), उत्तरी दिल्ली की 12वीं छमाही बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन आज दिनांक 25 सितम्बर, 2025 को प्रातः 10:30 बजे राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केंद्र (NASC) परिसर, नई दिल्ली में किया गया।

बैठक में विभिन्न केंद्रीय कार्यालयों, अनुसंधान संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार, राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन और हिंदी कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

गौरतलब है कि इस बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI), नई दिल्ली को उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई। IARI द्वारा हिंदी में किए जा रहे कार्यों को समिति ने सराहा और संस्था को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित करने का निर्णय लिया। यह सम्मान राजभाषा कार्यान्वयन से जुड़ी निरंतर पहल, संस्थान के कर्मचारियों की प्रतिबद्धता और प्रशासनिक-वैज्ञानिक गतिविधियों में हिन्दी के बढ़ते प्रयोग को मान्यता प्रदान करता है।

इस अवसर पर ICAR–IARI के निदेशक डॉ. सी. एच. श्रीनिवास राव ने कहा कि *"संस्थान के कर्मचारियों द्वारा हिन्दी में कार्य करना न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को सशक्त बनाता है, बल्कि कार्यकुशलता और पारदर्शिता को भी प्रोत्साहित करता है। IARI परिवार की यह उपलब्धि पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। हमें यह प्रयास करना चाहिए कि विज्ञान, अनुसंधान और प्रशासन के प्रत्येक स्तर पर हिन्दी का सहज एवं प्रभावी प्रयोग हो।"*

संस्थान के कर्मचारियों और अधिकारियों ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राजभाषा हिन्दी को और अधिक गति देने तथा वैज्ञानिक गतिविधियों को हिन्दी माध्यम से आमजन तक पहुँचाने का संकल्प लिया। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के पुरस्कार संस्थान के मनोबल को बढ़ाते हैं और भविष्य में और अधिक नवाचार, शोध और जन-जागरूकता कार्यक्रमों को हिंदी के माध्यम से आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हैं।